UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

संस्कृत साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

UNIT=8

Daily = 6 pm

Class = 76

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

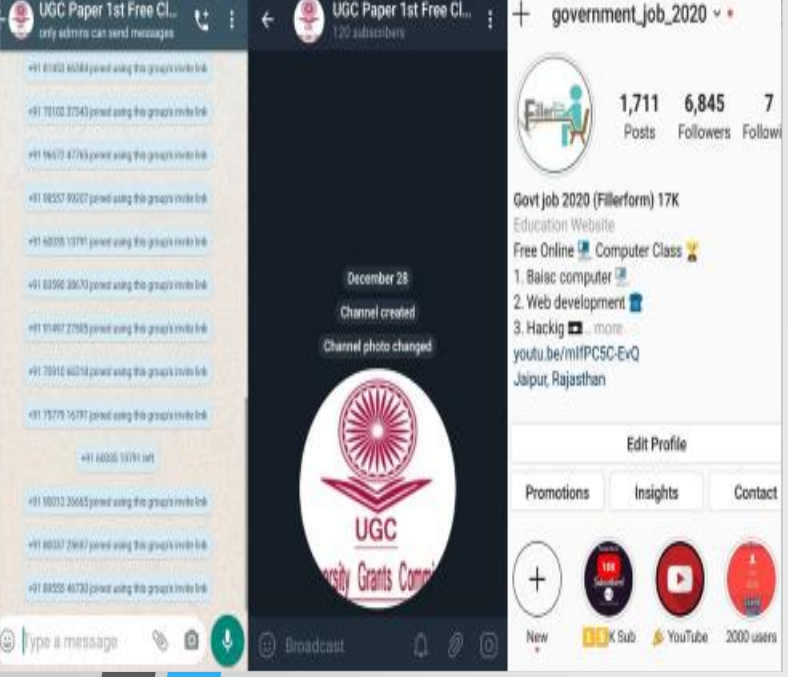

m

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
YouTube
2000 users

Filler Form
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% off
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

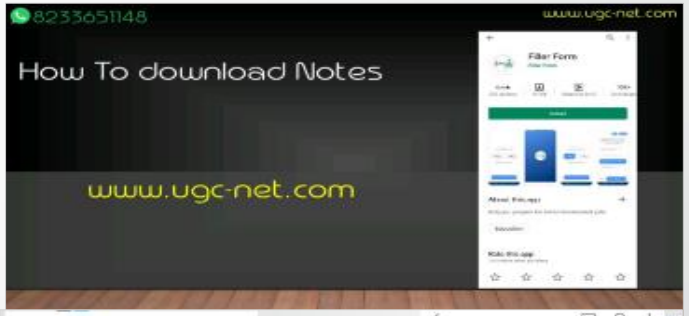

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS

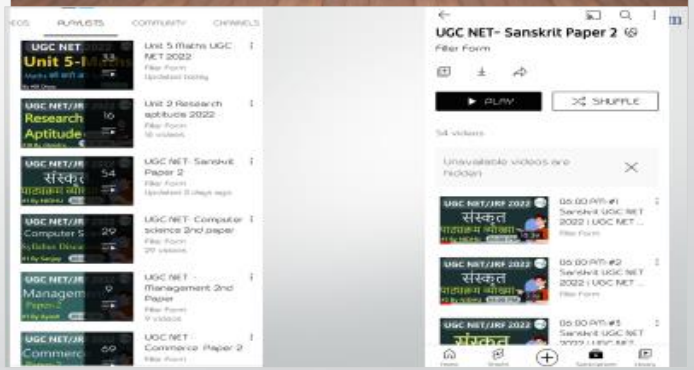

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE

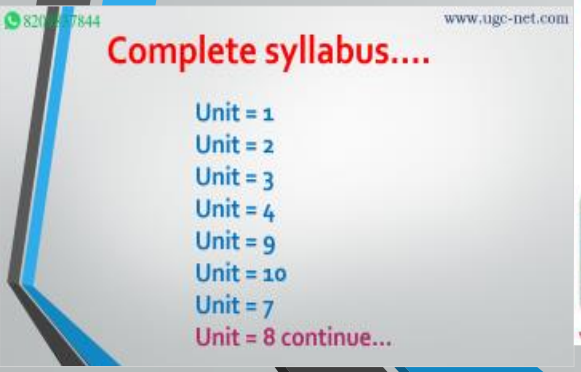

www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8 continue...

UGC NET Giveaway
MAY
8
Top 10th Student
Free Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
Free Books
MAY
1
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

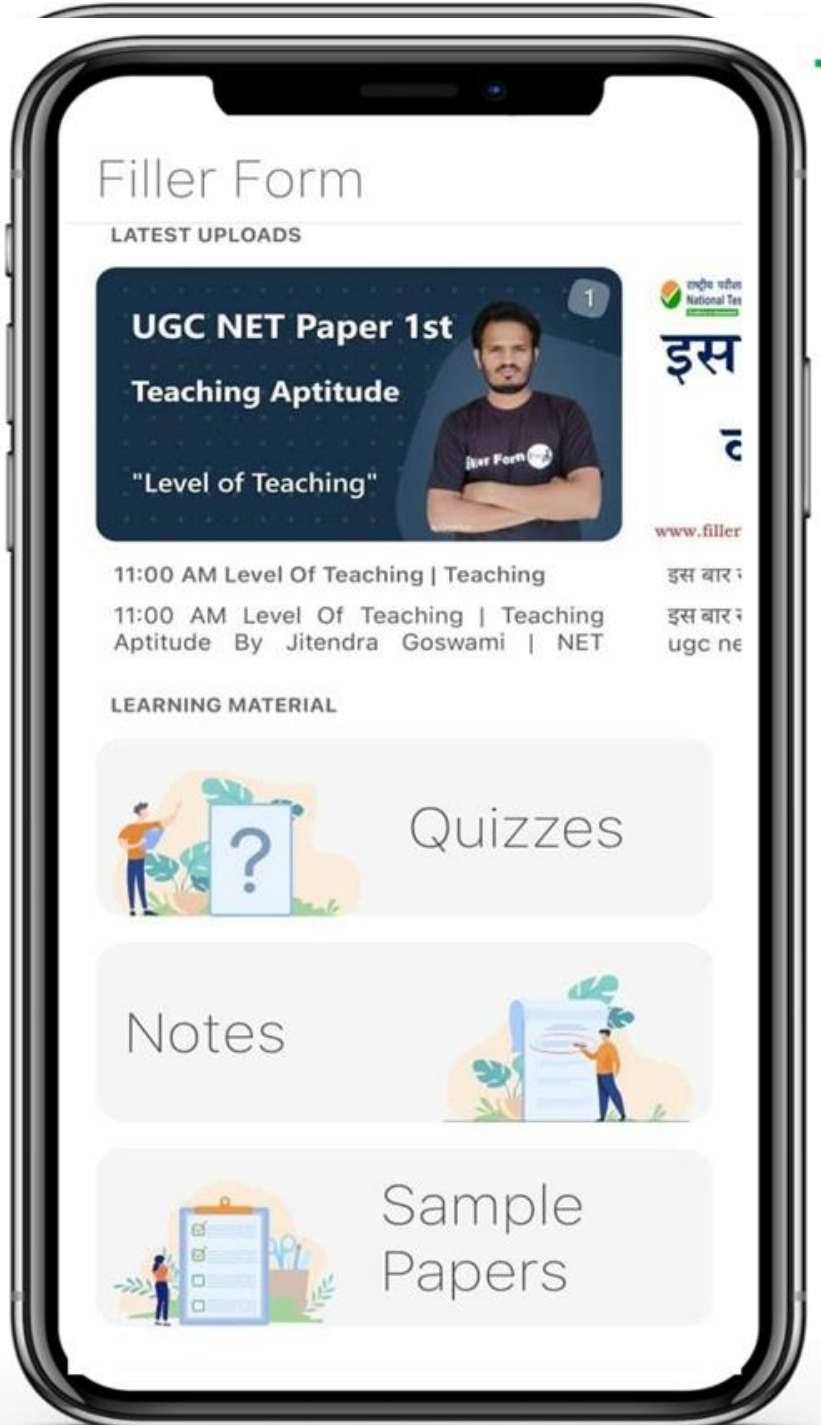

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

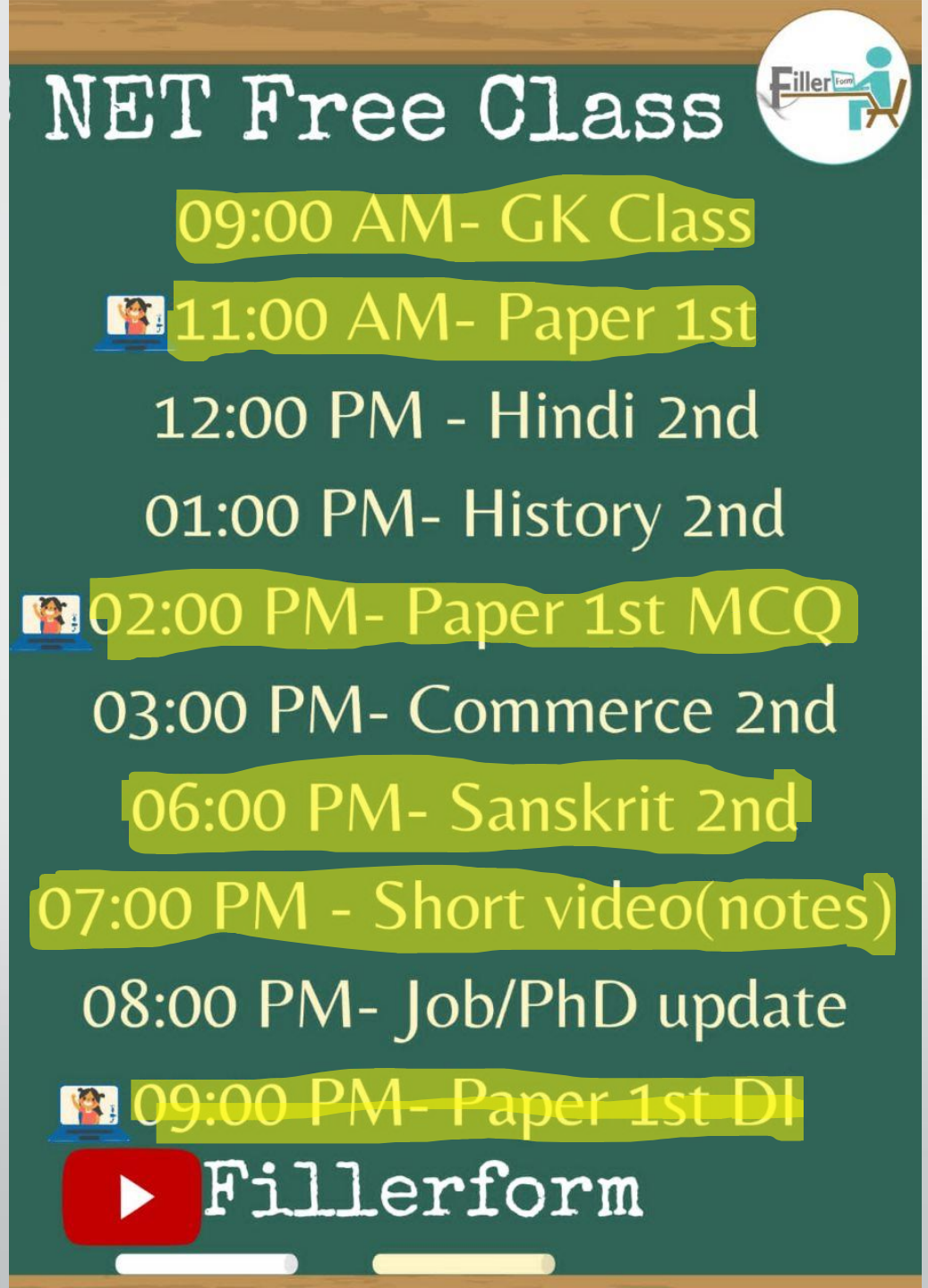

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

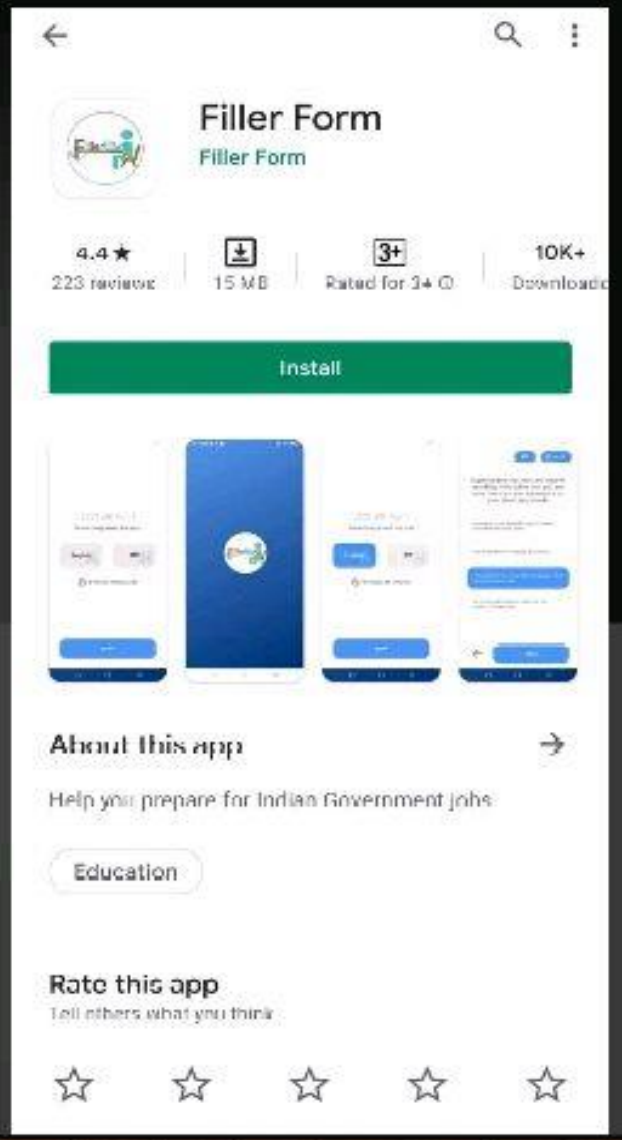

EOS PLAYLISTS COMMUNITY CHANNELS

Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today

Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago

UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos

UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos

UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

UGC NET- Sanskrit Paper 2

Filler Form

PLAY SHUFFLE

54 videos

Unavailable videos are hidden

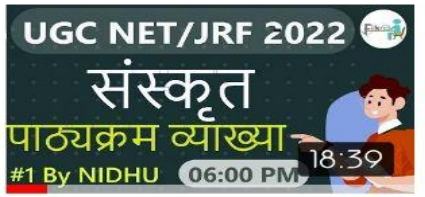

06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form

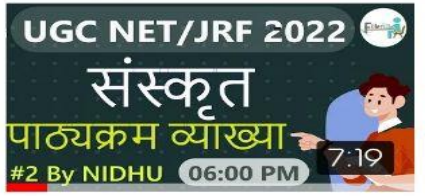

06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form

06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET

Home Shorts Subscriptions Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

UGC NET Giveaway

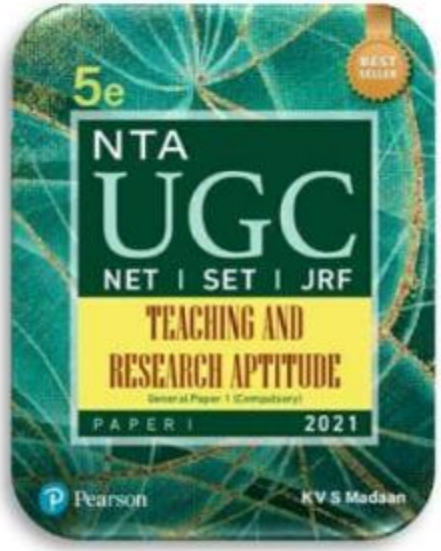

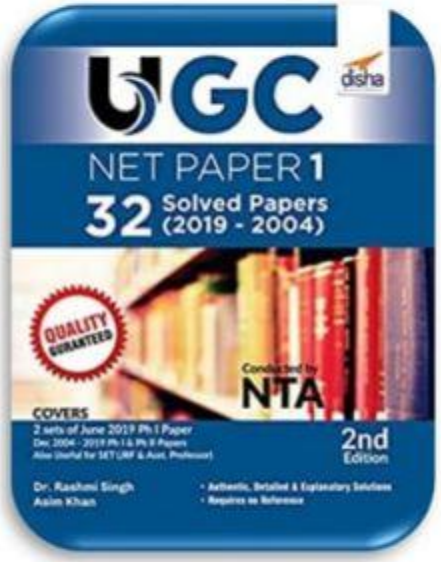

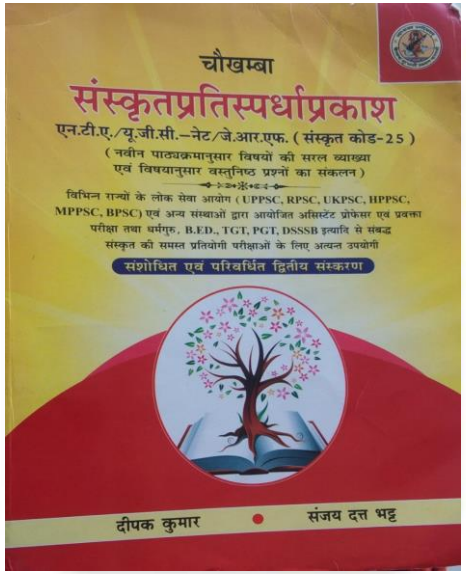

Win Books

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

UGC NET Giveaway

Free Books

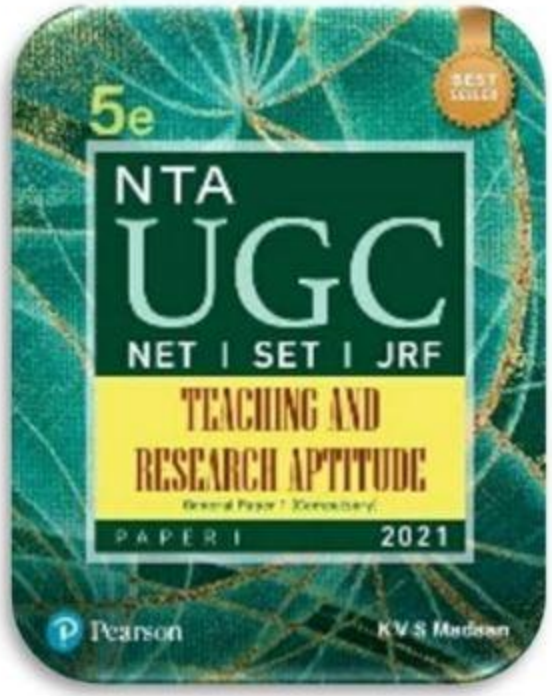

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

UGC NET Giveaway

Top 10th Student Free Books

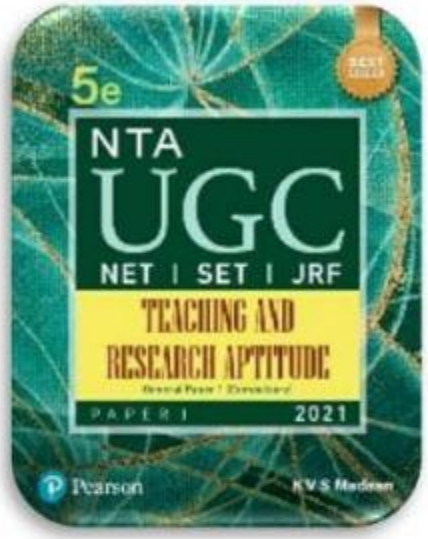

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

Join UGC NET Quiz

10:00 AM

Results- 10:30 PM

www.ugc-net.com

Quiz Start

UGC NET

Free Join

May
15

10,000 + Question

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

We want JRF

We want JRF

8209837844

www.ugc-net.com

Complete syllabus....

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7

Unit = 8 continue...

8209837844

www.ugc-net.com

Today's Topic....

ईकाई-8

(ख) संस्कृतसाहित्य का विशिष्ट अध्ययन-

पद्य :

संस्कृत के प्रमुख नाटक-

संस्कृत के प्रमुख नाटक-

1. स्वप्नवासवदत्तम्

परिचय-

भास के नाम से जो 13 नाटक प्राप्त हुए हैं, उनमें से **स्वप्नवासवदत्तम्** इतिहास प्रसिद्ध एक उत्कृष्ट नाटक ग्रन्थ है। भास की नाट्यकुशलता का निदर्शन इस ग्रन्थ में होता है। छ. अङ्गों में विभक्त यह नाटक कौशाम्बी के राजा उदयन की कथा पर आधारित है।

8209837844
www.ugc-net.com

कथा सारांश-

- **प्रथम अङ्क में-** राजा प्रद्योत के महल से वासवदत्ता को जीत लाने के पश्चात् राजा उदयन कामक्रीड़ा में मग्न हो जाता है जिसके कारण शत्रु 'आरुणि' को आक्रमण करने का अवसर मिल जाता है लेकिन मन्त्री यौगन्धरायण अपनी सूझ-बूझ व राजनीतिक कुशलता से आरुणि को परास्त करने के लिए मगध के राजा 'दर्शक' की सहायता लेता है। वासवदत्ता को धरोहर के रूप में मगध के राजा दर्शक की बहन पद्मावती के पास छोड़ आता है। पद्मावती का वासवदत्ता के साथ राजगृह प्रस्थान का वर्णन भी है।
- **द्वितीय अङ्क में-** पद्मावती और वासवदत्ता का सख्य भाव, पद्मावती की उदयन विषयक आसक्ति तथा मगध में उदयन का आगमन, सूप लावण्य के आधार पर दर्शक की पुत्री पद्मावती के साथ विवाह हो जाता है।

8209837844
www.ugc-net.com

- **तृतीय अङ्क में-** विवाह के कारण दुःखित होकर वासवदत्ता का प्रमदवन में जाने का वर्णन है।
- **चतुर्थ अङ्क में-** शरद् ऋतु में पद्मावती एवं वासवदत्ता के उद्यान भ्रमण के समय ही उदयन का आगमन, वासवदत्ता का छिपना, विदूषक द्वारा प्रश्न करने पर राजा का दोनों के प्रति प्रेम व्यक्त करना एवं वासवदत्ता की स्मृति में अश्रुपात करना वर्णित है।
- **पंचम अङ्क में-** एक दिन दैववशात् वासवदत्ता सोए हुए राजा उदयन को पद्मावती समझकर राजा के बगल में लेट जाती है, लेकिन राजा को पहचान करके तुरन्त उठ बैठती है। राजा भी उसी समय स्वप्न में वासवदत्ता को देखता है और उसकी स्मृति ताजी हो जाती है। वासवदत्ता वहाँ से भाग जाती है और उदयन उसका पीछा करता है लेकिन वासवदत्ता अदृश्य हो जाती है।

8209837844 www.ugc-net.com

❖ **षष्ठ अङ्क में-** रानी पदमावती को वासवदत्ता का चित्र देखकर ध्यान आता है कि ऐसे ही रूप रंग वाली एक स्त्री यहाँ रहती है।

॥मङ्गलाचरण॥ (आशीर्वादात्मक)

"उदयनवेन्दुसवर्णा वासवदत्ताबलौ बलस्य त्वाम्।
पद्मावतीर्णपूर्णौ वसन्तकम्रौ भुजौ पाताम्।।

तत्काल उदित होने वाले चन्द्रमा के सदृश कान्तिवाली, मदिरापान से आलसी होने वाली, साक्षात् कमल के समान भासमान, वसन्तकाल के सदृश सौन्दर्यपरिपूर्ण बलराम जी की भुजाएँ आपका रक्षण करें ।

8209837844

www.ugc-net.com

छन्द	-	आर्या,
स्तुति	-	बलराम की भुजाएं,
लेखक	-	भास,
विधा	-	नाटक,
अङ्क	-	(6)
उपजीव्य	-	गुणाढ्यनिर्मित बृहत्कथा।
नायक	-	उदयन (वत्सदेश का राजा) 'धीरललित'।
नायिका	-	1. वासवदत्ता प्रथमरानी (स्वीया मध्या)
		2. पद्मावती दूसरी पत्नी (स्वीया मुग्धा)।
अङ्गीरस	-	वासवदत्ता के साथ - **विप्रलम्भ**,
		पद्मावती के साथ - **संभोग श्रृंगार**।
अङ्गरस	-	करुण, हास्य वीर आदि,
रीति	-	वैदर्भी,
स्थायीभाव	-	रति,
गुण	-	प्रसाद,
सहाय	-	विदूषकादि।

8209837844

www.ugc-net.com

पात्र परिचय

उदयन - वत्सदेश के राजा।

वासवदत्ता - उज्जयिनी के राजा प्रद्योत की पुत्री (प्रथमरानी।

पद्मावती - मगधराज 'दर्शक' की बहन (उदयन की दूसरी पत्नी)।

यौगन्धरायण - उदयन के मुख्यमन्त्री

रुम्णवान् - उदयन के दूसरे मन्त्री (सेनापति भी)

वसन्तक - उदयन के विदूषक (श्रृङ्गारसहायक)॥

ब्रह्मचारी - लावाणक ग्राम के छात्र।

कञ्चुकीय 1- मगध देश के राजप्रसाद में अन्तःपुरके अधिकारी ब्राह्मण।

कञ्चुकीय 2- उज्जयिनी के राजप्रसाद में अन्तःपुर के अधिकारी ब्राह्मण।

संभषक भट - मगधराज के भृत्य।

अवन्तिका – छद्मवेश धारण करने वाली वासवदत्ता।

अङ्गारवती - प्रद्योत की रानी, वासवदत्ता की माता।

8209837844

www.ugc-net.com

तापसी - मगधराज्य के तपोवन में रहनेवाली तपस्विनि।

मधुकरिका,पद्मिनिका- पद्मावती की सहचरियां।

धात्री - पद्मावती की उपमाता।

विजया - वत्सराज की प्रतिहारी।

वसुन्धरा - वासवदत्ता की धात्री।

8209837844

www.ugc-net.com

भास के 13 नाटक-

1. प्रतिमानाटक
2. अभिषेकनाटक
3. बालचरित
4. स्वप्नवासदत्तम्
5. कर्णभार
6. ऊरुभङ्ग
7. प्रतिज्ञायौगन्धरायण
8. दूतघटोत्कच
9. दूतवाक्य
10. मध्यमव्यायोग
11. पञ्चरात्र
12. अविमारक
13. चारुदत्त।

रामायणमूलक - प्रतिमानाटक, अभिषेक ,

कृष्णकथामूलक - बालचरित ।

महाभारतमूलक- ऊरुभङ्ग, दूतघटोत्कच, दूतवाक्य, कर्णभार, मध्यमव्यायोग, पञ्चरात्र ।

बृहत्कथामूलक- प्रतिज्ञायौगन्धरायण, स्वप्नवासवदत्तम्, अविमारक, चारुदत्त।

8209837844
v.ugc-net.com

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्

परिचय- **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** कालिदास की ही नहीं अपितु विश्व साहित्य की अनुपम कृति है।

"काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला।
तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः तत्र श्लोक-चतुष्टयम् ।।
कालिदास सर्वस्य अभिज्ञानशाकुन्तलम्"।

ये सूक्तियाँ कालिदास के नाटक की महत्ता को प्रतिपादित करती हैं। इस नाटक के सात अङ्कों में पुरुवंशी राजा दुष्यन्त तथा महर्षि कण्व की पालिता पुत्री शकुन्तला की प्रणय, वियोग तथा पुनर्मिलन की कथा वर्णित है। इसकी कथावस्तु **महाभारत के आदिपर्व** में वर्णित **शकुन्तलोपाख्यान** से ली गई है किन्तु कवि ने अपनी **नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा** से इसे सरस और गरिमामय बनाकर प्रस्तुत किया है। इसकी कथावस्तु राजा द्वारा शकुन्तला को दिए गए अभिधान (अँगूठी) के आस-पास चक्कर

82098378 igc-net.com

काटती है। इसलिए कवि ने इसे शीर्षक अभिज्ञानशाकुन्तलम् से अलंकृत किया है । इसका संक्षेप कथानक निम्नलिखित है ।

कथा सारांश-

प्रथम अङ्क- राजा दुष्यन्त अपने राज्य से शिकार खेलने के लिए वन में जाता है। वन में वह कण्व ऋषि के आश्रम में प्रवेश कर शकुन्तला से मिलता है। राजा अपना परिचय देता है और अपने को धर्माधिकारी बताता है। वह भ्रमर से शकुन्तला की रक्षा करता है और उसके विषय में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेता है कि शकुन्तला विश्वामित्र और मेनका की पुत्री है एवं कण्व द्वारा पालितपोषिता है। दुष्यन्त और शकुन्तला एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं एवं एक-दूसरे के गुणों को पसन्द करते हैं।

8209837844

www.ugc-net.com

द्वितीय अङ्क- राजा दुष्यन्त विदूषक माढव्य से शकुन्तला के विषय में बात करता है और उसके प्रति अपने अनन्य प्रेम को प्रकट करता है। वह विदूषक सहित सेना को वापस राजधानी लौटा देता है।

तृतीय अङ्क- शकुन्तला दुष्यन्त के प्रति आसक्त है और इसी कारण अस्वस्थ भी। वह एक प्रेम-पत्र लिखती है तथा शकुन्तला के अशुभ ग्रहों की शान्ति के लिए सोमतीर्थ यात्रा पर गए कण्व के अभाव में दोनों गन्धर्व विवाह कर लेते हैं।

8209837844

www.ugc-net.com

चतुर्थ अङ्क- राजा दुष्यन्त अपनी राजधानी हस्तिनापुर वापस लौटने से पूर्व शकुन्तला को अभिज्ञान के रूप में अपनी अँगूठी देकर कहता है कि इसमें जितने अक्षर हैं उतने ही दिन से पूर्व मैं तुम्हें अपने अन्तःपुर में बुला लूगाँ। दुर्वासा ऋषि के आतिथ्य में लापरवाही करने पर वे शकुन्तला को शाप देते हैं कि वह जिसके ख्यालों में खोई हुई है वह इसको भूल जाए। तब शकुन्तला की दोनों सखियों द्वारा क्षमा याचना करने पर दुर्वासा का कहना कि यदि वह कोई स्मरण योग्य चिह्नित वस्तु दिखाएगी तो दुष्यन्त को याद आ जाएगा। महर्षि कण्व तीर्थयात्रा से वापस आते हैं और शकुन्तला को गर्भवती जानकर पतिगृह भेजने की

8209837844

www.ugc-net.com

व्यवस्था करते हैं। शकुन्तला वृक्षों, लताओं पशु-पक्षियों मृग-शिशुओं, सखियों और पिता से विदाई लेकर शार्ङ्गव एवं शारद्वत, गौतमी के साथ हस्तिनापुर जाती है। इस अङ्क में शकुन्तला की विदाई का अत्यन्त मार्मिक चित्रण किया गया है। चतुर्थ अङ्क में शकुन्तला के पिता एव उसकी सखियाँ ही द्रवित नहीं होतीं अपितु आश्रमस्थ प्रकृति, पशु-पक्षी, सभी शकुन्तला पर अत्यधिक अनुराग होने के कारण उसके विरह से उत्पन्न दुःख का अनुभव करते हैं। इसी कारण चतुर्थ अङ्क को सर्वश्रेष्ठ अङ्क माना गया है। चतुर्थ अङ्क में भी विद्वानों ने चार श्लोक सर्वश्रेष्ठ माने हैं। ये चारों ही कण्व ऋषि द्वारा अपनी पालिता पुत्री शकुन्तला की विदाई पर कहे गए है।

8209837844

www.ugc-net.com

षष्ठ अङ्क- शचीतीर्थ में शकुन्तला की गिरी हुई अँगूठी एक मछुआरे(मीनपालक) को मछली के पेट में मिलती है। राजपालक उस मछुआर को पकड़कर राजा दुष्यन्त के समक्ष पेश करते हैं और तब उस अंगूठी को देखकर राजा को सबकुछ याद आ जाता है। राजा पश्चात्ताप करने लगता है। सभी प्रसन्नता के आयोजन समाप्त कर दिए जाते हैं। इन्द्र का सारथि मातलि आकर राजा को सन्देश सुनाता है कि इन्द्र ने राक्षसों के वध के लिए आपको बुलाया है।

8209837844

www.ugc-net.com

सप्तम अङ्क- इन्द्र की सहायता हेतु दुष्यन्त स्वर्ग आता है और असुर विजय के पश्चात वहाँ से वापस आते समय महर्षि मारीच के दर्शनार्थ उनके आश्रम उतरते हैं। वहाँ एक छोटे बालक को देखकर दुष्यन्त के मन में उसके प्रति स्नेह उमड़ता है। दुष्यन्त को पता चलता है कि वह बालक शकुन्तला का पुत्र है। वहाँ शकुन्तला से मिलन हो जाता है तथा महर्षि मारीच समस्त परिस्थितियों को स्पष्ट कर राजा व शकुन्तला को निष्कलंक सिद्ध कर आशीर्वाद देते हैं और इन्द्र के रथ पर दोनों हस्तिनापुर पहुँचते हैं।

नाटक के घटना संयोजन में अपूर्व सौन्दर्य बना रखा है। प्रत्येक घटना स्वाभाविक, सार्थक एवं चातुर्य से पूर्ण है। प्रत्येक वस्तु का वर्णन इतना

8209837844

www.ugc-net.com

सूक्ष्म और सजीव है कि वह दृश्य पाठकों के सामने स्वयं उपस्थित हो जाता है। कालिदास की भाषा सरल-सरस, प्रवाहपूर्ण, प्रसादमयी, परिष्कृत और परिमार्जित है। वह मधुर समासरहित, औचित्यपूर्ण, पात्रानुरूप तथा कोमलकान्त पदावली से विभूषित है। कवि ने वैदर्भी रीति को अपनाया है। इनकी शैली में प्रसाद, माधुर्य और ओज तीनों का समन्वय है। अभिज्ञानशाकुन्तलम् का अङ्गीरस शृङ्गार है। शृङ्गार के संयोग और वियोग दोनों पक्षों का सुन्दर वर्णन हुआ है। अवसर के अनुरूप अलङ्कारों का प्रयोग किया गया है। कालिदास उपमा के लिए तो प्रसिद्ध हैं ही- **"उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थगौरवम्।**

दण्डिनः पदलालित्यम् माघे सन्ति त्रयो गुणाः"।।

820983784

ugc-net.com

प्रमुख विवरण-

॥मङ्गलाचरण॥ (आशीर्वादात्मक)

"या सृष्टिः स्रष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री।
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः"॥

भगवान् शिव की प्रथम सृष्टिभूत जलमयी मूर्ति, विधिपूर्वक हुत हवनीय पदार्थों को देवताओं के पास ले जाने वाली अग्निरूपा मूर्ति, यजमान रूपा मूर्ति, काल का विधान करने वाली सूय-चन्द्र रूपिणी दो मूर्तियाँ, आकाशमयी मूर्ति, क्षितिरूपा मूर्ति एवं वायुरूपा मूर्ति इन उपर्युक्त प्रत्यक्ष दृष्ट अष्टमूर्तियों से विशिष्ट अष्टमूर्ति भगवान् शिव (नाटक दर्शनार्थ समुपस्थित) सभ्य सामाजिकों एव नटादिकों का कल्याण करें।

820983784 ugc-net.com

स्तुति	-	अष्टमूर्ति शिव
लेखक	-	कालिदास,
विधा	-	नाटक,
अङ्क	-	(7),
उपजीव्य	-	महाभारत (आदिपर्व), शकुन्तलोपाख्यान, पद्मपुराण-स्वर्गखण्ड
प्रधानरस	-	श्रृङ्गार - (सम्भोग श्रृङ्गार)
रीति	-	वैदर्भी रीति,
वृत्ति	-	कैशिकी,
गुण	-	प्रसाद,
नायक	-	दुष्यन्त (धीरोदात्त)
नायिका	-	शकुन्तला (मुग्धा)

8209837844

www.ugc-net.com

॥पात्र परिचय॥

दुष्यन्त - राजा

शकुन्तला – दुष्यन्त की प्रेमिका।

माढव्य (विदूषक) -दुष्यन्त का विनोदप्रिय मित्र अभिज्ञानशाकुन्तलम् का विदूषक।

अनुसूया,प्रियंवदा - शकुन्तला की दो सखियां,

मेनका - शकुन्तला की माता।

विश्वामित्र – शकुन्तला के पिता।

महर्षिकण्व - शकुन्तला के पालक धर्मपिता।

शार्ङ्गरव,शारद्वत - कण्व के दो प्रमुख शिष्य।

सोमरात - दुष्यन्त का पुरोहित।

मातलि - इन्द्र का सारथि।

वैश्वानस, हारीत, नारद, गौतम, शार्ङ्गरव, शारद्वत - कण्व के शिष्य।

रैवतक (दौवारिक) - राजा का भृत्य द्वारपाल।

सूत - दुष्यन्त का सारथि।

भद्रसेन - दुष्यन्त का सेनापति।

8209831 c-net.com

पिशुन - दुष्यन्त का मन्त्री।

गालव - ऋषि मारीच का शिष्य।

वातायन - रनिवास की देखभाल करने वाला एक वृद्ध ब्राह्मण कञ्चुकी।

नटी - सूत्रधार की पत्नी।

अदिति (दाक्षायणी) - मारीच की पत्नी।

सानुमती - मेनका की सखी एक अप्सरा।

चतुरिका, यवनी - राजा की सेविका।

गौतमी - कण्व के आश्रम की अध्यक्षा, एक वृद्धा तापसी ।

वेत्रवती (प्रतीहारी) - राजा की द्वारपालिका।

तापसी (सुव्रता) - मारीच के आश्रम की एक तपस्विनी।

8209837844

www.ugc-net.com

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के अंक नाम तथा प्रसंग -

अङ्क	नाम	प्रमुख प्रसङ्ग
प्रथम अङ्क	आश्रम प्रवेश	भ्रमर वृतान्त, सखियों से राजा का वार्तालाप।
द्वितीय अङ्क	आश्रम निवेश	शकुन्तला सौन्दर्य वर्णन।
तृतीय अङ्क	मिलन	विरह दुःख वर्णन, दोनों के मिलन का वर्ण।
चतुर्थ अङ्क	विदा	शकुन्तला विदाई।
पञ्चम अङ्क	प्रत्याख्यान	राजा दुष्यन्त और शारद्वत तथा शार्ङ्गरव विवाद।
षष्ठ अङ्क	पश्चाताप	राजा के शोक का वर्णन,सानुमत्योपाख्यान
सप्तम अङ्क	पुनर्मिलन	पुत्र सर्वदमन का दर्शन और शकुन्तलासे मिलन

Next class....

संस्कृत के प्रमुख नाटक-

Home work ....

Feedback Send me On Telegram Group...

This Group.. = SANSKRIT BY NIDHU

This link..= https://t.me/+TfoY7528c8UoMmFl

Wapp = 8209837844

Wapp = 8209837844

LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

thank
you